MARCH 2023, INDORE

COT COSMOS

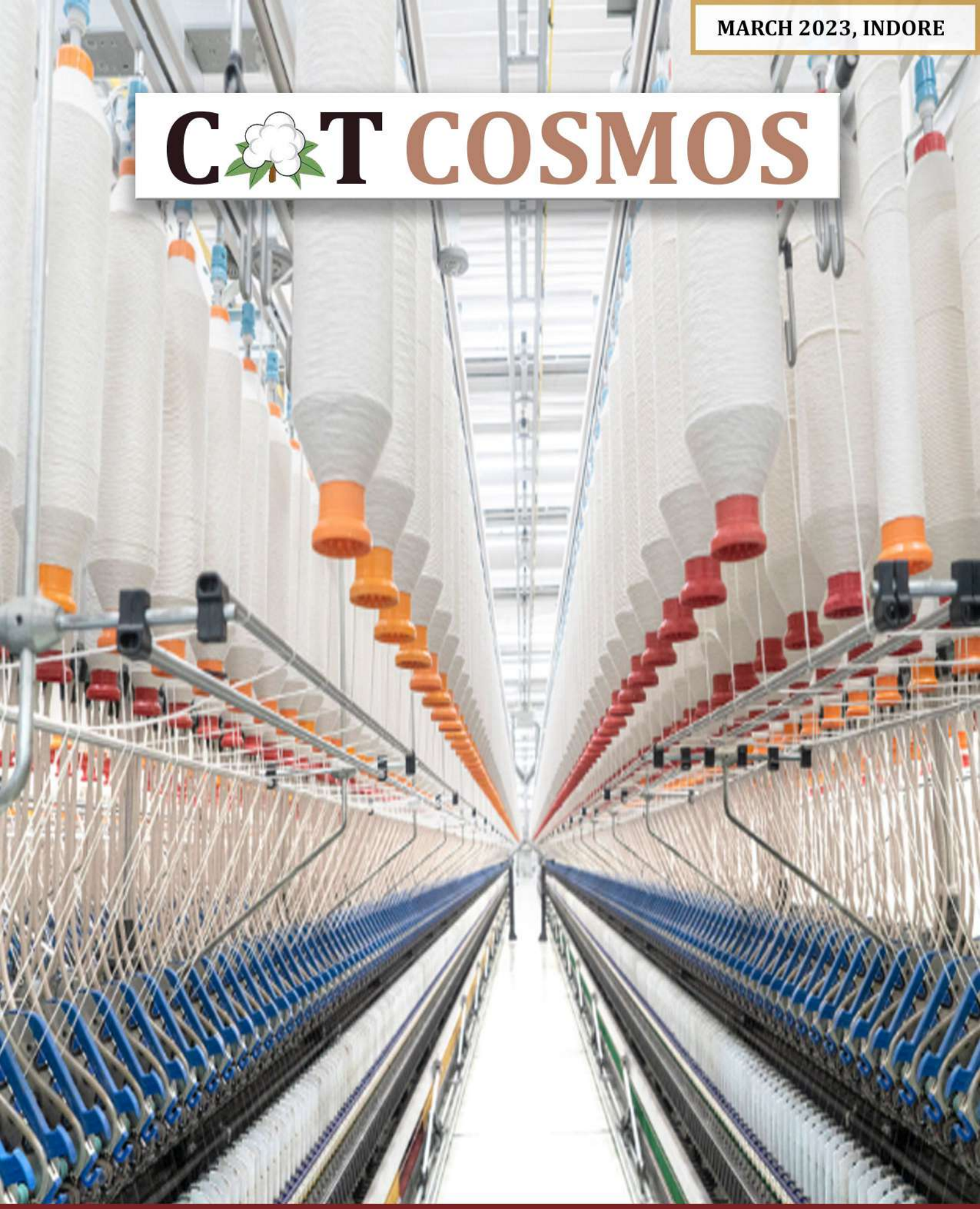

AN INNITIATIVE BY SMART INFO GROUP

INDEX

EDITORIAL ---------- 1

INTERVIEW ---------- 2-3

ARRIVAL REPORT ---------- 4

DATA ANALYSIS ---------- 5

GUJARAT SPECIAL ---------- 6- 11

ADVERTISEMENT ----------12-13

NEWS HIGHLIGHTS ---------- 14

EVENTS ---------- 15

STATISTICS ---------- 16

TEAM ---------- 17

नमस्कार पाठकों,

प्रस्तुत है कॉट कॉसमॉस मैग्जीन का दसवां अंक मार्च एडिशन। जी हां, आपके सहयोग और मार्गदर्शन के फलस्वरूप हमारा एक छोटा सा प्रयास कॉट कॉसमॉस आज एक अंक के सफर को पार कर आगे बढ़ चुका है।

दस, यह वो अंक है जो संपूर्णता को दर्शाता है। दो अंकों की गणना की शुरूआत..... जीरो का महत्व बताता पहला अंक..... यह समझाने वाला अंक की इस गणित का कोई अंत नहीं..... बस जीरो बढ़ेंगे और गिनती बढ़ती जाएगी..... दस से शुरू हुआ सफर सौ, हजार, लाख, करोड़ और जाने किस शिखर तक जा पहुंचे। आपके विश्वास, स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन के बल पर हम भी निकल चुके है अपने सफर के अगले पढ़ाव पर। इस सफर में आपका साथ हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

आपकी मैग्जीन कॉट कॉसमॉस को हम कैसे और बेहतर बना सकते है, कैसे इस सफर में आगे बढ़ सकते है, यह आपसे ही जानना चाहते है। इस उम्मीद में कि आप अपनी प्रतिक्रियाएं और अपने सुझाव हम तक जरूर पहुचाएंगे और इस सफर में हमारे हमकदम की भूमिका निभाएंगे, अपनी कलम को विराम देती हूं।

आपकी प्रतिक्रिया की प्रतिक्षा में

-रक्षा भगत जैन

(EDITOR COTCOSMOS)

कॉटन व्यापार में जोखिम लेने से ज्यादा जरूरी है धैर्य रखना

अपने माता-पिता व दोनों भाईयों के साथ अजय गोयल

उन्होंने बताया कि कॉटन उद्योग हमारा पारिवारिक कारोबार रहा है। मेरे अंकल फूलचंदजी गोयल ने 80 के दशक में इसकी नींव रखी थी। इसके पहले से हम शुगर इंडस्ट्री में व्यापार करते रहे है। मेरे पिताजी कैलाशचंदजी गोयल और दोनों भाई नितीन व अखिलेश गोयल आज भी शुगर कारोबार में ही है। मैं भी शुगर व्यापार से ही जुड़ना चाहता था लेकिन मेरे पिताजी चाहते थे कि हम दोनों कारोबार को एक साथ आगे बढ़ाए। इसीलिए मैंने कॉटन व्यापार में कदम रखा। यह सही है कि मैंने बेमन से इस व्यापार को चुना था लेकिन, उससे भी बड़ा सच यह है कि आज इसी व्यापार यानी कॉटन से ही मुझे खुशी मिलती है।

विजन

कॉटन का व्यापार बहुत विस्तृत है। अभी हमारा परिवार जिनिंग और ट्रेडिंग के काम में ख्याति पा चुका है। स्पिनिंग इंडस्ट्री में हम कदम रख चुके है और अब इसी को आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है। निकट भविष्य में हम 25 हजार स्पिंडल का एक नया प्लांट लगाने की तैयारी में है।

मैंने 1998 में कॉटन व्यापार में कदम रखा था। इस व्यापार से जुड़े मुझे 25 साल हो गए है और इतने समय में इस बिजनेस की एक खासियत मैंने समझी है वह यही है कि इसमें कोई भी दौर लंबे समय तक नहीं रहता। आमतौर पर इस व्यापार में 5 साल का चक्र होता है। इन 5 साल में से 2 साल यदि व्यापारिक दृष्टिकोण से बहुत खराब जाते है तो दो साल बहुत अच्छे भी होते है जबकि 1 साल सामान्य होता है। यहां लंबे समय तक वहीं टिका रह सकता है जो धैर्य रखना जानता है। जोखिम लेना यहां उतना जरूरी नहीं है जितना धैर्य रखना। व्यापार की बारिकी समझाती यह बात कहीं महाराष्ट्र के जाने-माने जिनर, टेडर और स्पिनर अजय गोयलजी ने।

महाराष्ट्र का कपास उद्योग

कपास की पैदावार में गुजरात के बाद महराष्ट्र दूसरे स्थान पर आता है। यहां कपास की पैदावार भी अच्छी है और गुणवत्ता भी बेहतर है। बावजूद इसके यह महाराष्ट्र का दुर्भाग्य ही है कि यहां पैदावार की तुलना में खपत महज **20** प्रतिशत ही है। महाराष्ट्र स्पिनिंग लगाने के लिए व्यापारी यहां से ज्यादा मध्यप्रदेश पर भरोसा कर रहे है। सरकार को यहां की टेक्सटाइल पॉलिसी को और लिबरल बनाना चाहिए ताकि बड़े ग्रुप्स महाराष्ट्र को चुनें। जहां तक जिनिंग की बात है तो महाराष्ट्र में जितना कपास आता है उससे ज्यादा क्षमता की जिनिंग फैक्टी मौजूद है। इसलिए अब स्पिनिंग इंडस्ट्री से ही यहां के उद्योग को गति मिल सकती है।

मेरे पिताजी मेरे आदर्श

25 साल के अपने कॉटन कॅरियर में मैंने कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है। इस लंबे सफर में टिके रहने का हौसला मुझे मेरे पिताजी से ही मिला है। उन्होंने हमेशा हम भाईयों को खुद पर और ईश्वर पर विश्वास रखना सिखाया है। धर्मपत्नी श्वेता गोयल ने हर कदम पर हमकदम बनकर मुझे हिम्मत दी है। परिवार के अलावा एक और शख्स है जिनका मेरी सफलता में बहुत बड़ा हाथ है और वह है मेरे कॉटन गुरू कमलकिशोरजी। शुरूआती कॅरियर में मेरे मार्गदर्शक बनकर मेरा साथ दिया मध्यप्रदेश के मित्तल इंडस्ट्री के कमलकिशोर जी ने।

मध्यप्रदेश से विशेष लगाव

महाराष्ट्र के अलावा हमारी जिनिंग यूनिट मध्यप्रदेश**,** गुजरात और तेलंगाना में भी है। ट्रेडिंग का व्यापार भी हम इन सभी राज्यों से करते है। लेकिन मध्यप्रदेश से मेरा विशेष लगाव है। मेरा जन्म एमपी में हुआ है और मैंने अपने व्यापार की शुरूआत भी यही से की है। अपनी नई स्पिनिंग प्लांट भी हम मध्यप्रदेश में ही लगाने वाले है।

सुझाव

टेक्सटाइल इंडस्ट्री भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाली इंडस्ट्री है। यहां कॅरियर बनाने की सोचते है तो मेरा एक सुझाव है इस इंडस्ट्री को बारीकि से समझे**,** मार्केट के उतार-चढ़ाव पहचाने और सोच-समझकर ही अपनी व्यापार नीति बनाएं। धैर्यपूर्वक व्यापार करेंगे तो तरक्की निश्चित है।

अजय गोयल,
सीईओ, श्री दुर्गा फाइबर,
शहादा, महाराष्ट्र

1.5 करोड़ के लगभग कॉटन बेल्स का आना अब भी बाकी

COTTON ARRIVAL MONTH WISE

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
Email : india.smartinfo@gmail.com

STATE	2022-2023							
	SEPTEMBER	OCTOBER	NOVEMBER	DECEMBER	JANUARY	FEBRUARY	MARCH	TOTAL
Punjab	11,363	21,884	36,277	34,900	22,700	21,600	20,700	169,424
Haryana	109,096	131,931	145,783	131,500	65,000	71,300	49,000	703,610
Upper Rajasthan	50,410	267,138	314,082	228,500	189,500	194,000	174,500	1,418,130
Lower Rajasthan	41,460	238,787	216,483	105,100	76,000	88,000	43,400	809,230
Total North Zone	**212,329**	**659,740**	**712,625**	**500,000**	**353,200**	**374,900**	**287,600**	**3,100,394**
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5								
Gujarat	44,250	290,000	966,000	1,001,000	1,125,000	917,400	1,240,000	5,583,650
Maharashtra	12,600	86,400	353,000	485,000	717,000	1,119,000	992,000	3,765,000
Madhya Pradesh	25,800	70,000	244,000	213,000	299,500	280,000	160,000	1,292,300
Total Central Zone	**82,650**	**446,400**	**1,563,000**	**1,699,000**	**2,141,500**	**2,316,400**	**2,392,000**	**10,640,950**
Telangana	2,100	38,400	202,000	248,000	292,000	551,000	364,500	1,698,000
Andhra Pradesh	48,600	78,300	150,500	188,000	203,000	160,000	229,000	1,057,400
Karnataka	42,400	82,500	259,000	208,500	145,000	210,000	217,000	1,164,400
Tamil Nadu	40,200	30,500	29,200	20,800	20,000	24,200	21,300	186,200
Total South Zone	**133,300**	**229,700**	**640,700**	**665,300**	**660,000**	**945,200**	**831,800**	**4,106,000**
Orissa	-	-	13,000	42,500	67,000	37,100	11,000	170,600
Others	-	-	5,000	10,000	15,000	30,000	20,000	80,000
TOTAL ARRIVAL	**428,279**	**1,335,840**	**2,934,325**	**2,916,800**	**3,236,700**	**3,703,600**	**3,542,400**	**18,097,944**
NOTE : ARRIVAL FIGURES ARE TENTATIVE MAY BE POSIBLE 5/10 % PLUS MINUS								

इस सीजन कॉटन बेल्स की आवक पूरी तरह से गड़बड़ाई हुई है। सीजन के शुरूआती महीनों में जब आवक की गति तेज होनी चाहिए थी, उस वक्त आवक बहुत धीमी रही। नतीजा, संपूर्ण कॉटन व्यापार की गति ही धीमी हो गई।

दरअसल, सीजन 2022-23 में कॉटन की आवक ने पूरे देश में जनवरी के बाद से गति पकड़ी है। सीजन के 6 से 7 महीने पूरे हो चुके है। सामान्य स्थिति में इस समय तक सीजन समाप्त होने की कगार पर होता है। लेकिन इस बार मार्च खत्म होने तक कुल कपास आवक 1,80,97,944 बेल्स हुई है। इस साल की अनुमानित आवक 3.30 करोड़ बेल्स के आस-पास रहने की उम्मीद है। ऐसे में अभी भी 1,49,02,056 बेल्स की आवक आना बाकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिस गति से आवक आ रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि इस सीजन काफी मात्रा में स्टॉक अगले सीजन में शिफ्ट हो जाएगा।

COTTON SEED PRICE COMPARISON FROM LAST YEAR

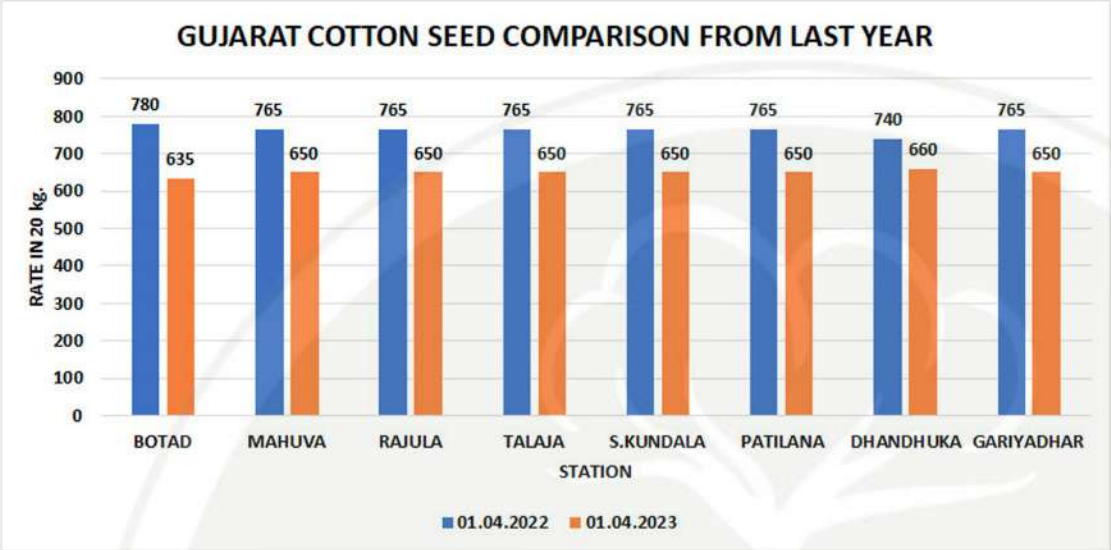

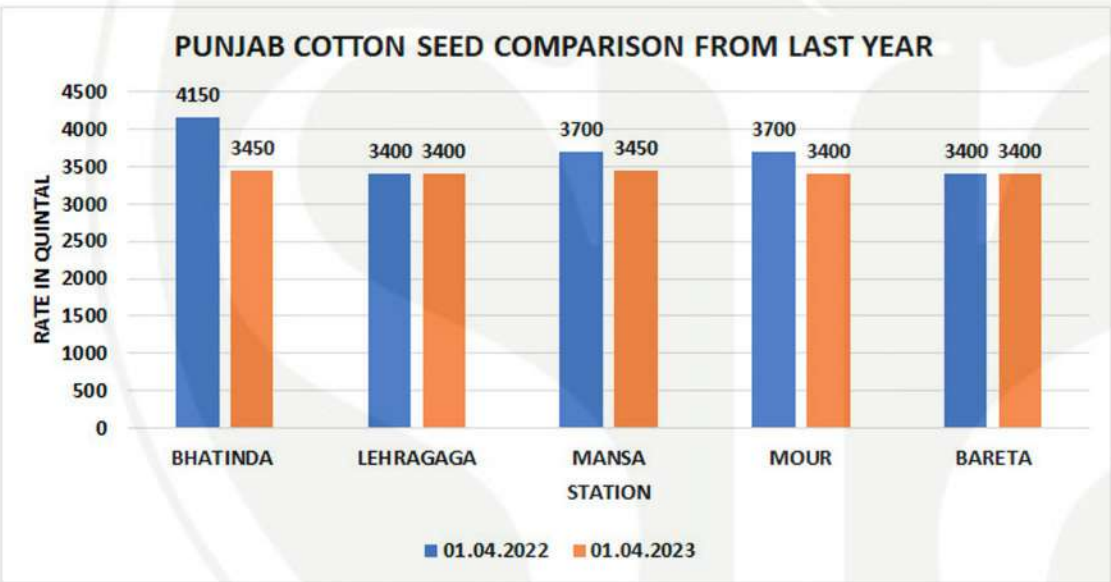

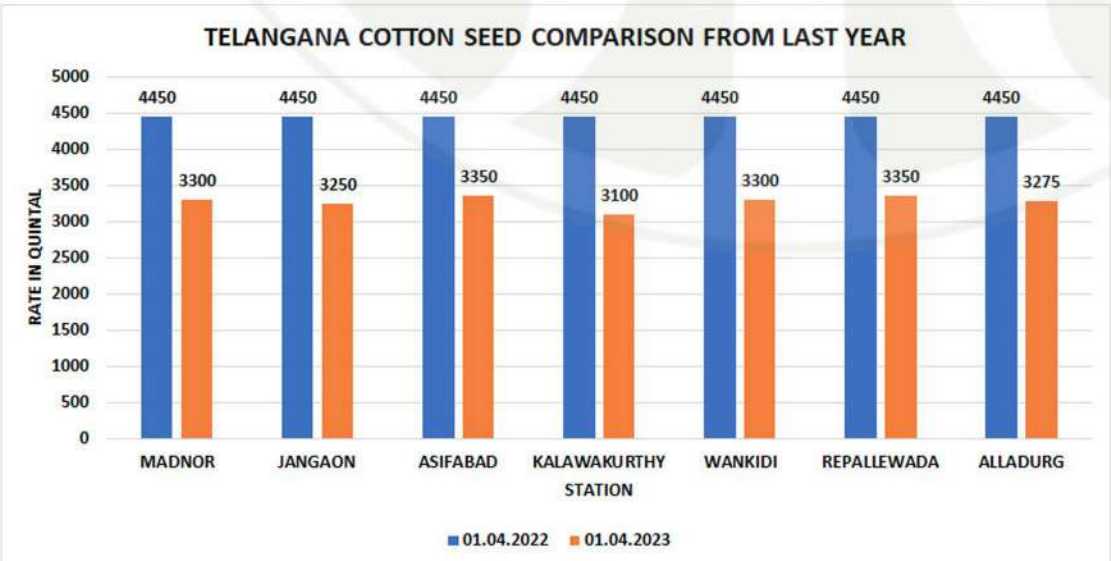

The speed with which the prices of cotton have come down in the last one year, the prices of other cotton related products have also come down as fast. Compared to last year, the price of cotton seed has also decreased this year. Let's know what are the ups and downs in the price of cotton seed in Gujarat, Punjab and Telangana in the last one year.

7 से 8 लाख नए स्पिंडल

GUJARAT SPECIAL

FARM TO FABRIC

FARM TO FABRIC के विजन पर काम कर रहा गुजरात

भारत के टेक्सटाइल उद्योग में पिछले 15 सालों से गुजरात अहम भूमिका निभा रहा है। पहले यहां से केवल कॉटन का एक्सपोर्ट किया जाता था। लेकिन समय के साथ उद्योग ने अपनी नीति और सोच दोनों ही बदली और यहां तेजी से नए स्पिंडल्स लगाना शुरू किए गए। पिछले 2 सालों में गुजरात में 7 से 8 लाख नए स्पिंडल लगे है। नतीजा, हमारी घरेलू खपत बढ़ गई है और अब यहां से कॉटन से कहीं ज्यादा यार्न और गारमेंट का एक्सपोर्ट होने लगा है। वर्तमान में गुजरात के व्यापारी फार्म टू फैब्रिक का विजन लेकर काम कर रहे हैं। उनका यही विजन उन्हें अन्य राज्यों से आगे रखे हुए है।

गुजरात के कॉटन उद्योग से जुड़ी यह जानकारी दी राजकोट के रैयानी ओवरसीज के एमडी और प्रदेश के जाने-माने जिनर, स्पिनर, और मर्चेंट कॉटन एक्सपोर्टर श्रेय रैयानी ने। श्रेय ने बताया कि उनका परिवार तीन पीढ़ियों से कॉटन कारोबार से जुड़ा हुआ है। उनकी 2 जिनिंग फैक्टी, 1 स्पिनिंग मिल 46000 स्पिंडल के साथ ही ऑयल मिल भी है जहां वे ग्राउंड नट और कॉटन सीड ऑयल बनाते है। इतना ही नहीं कॉटन टेडिंग और एक्सपोर्ट में भी इनकी कंपनी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है।

श्रेय रैयानी
एमडी, रैयानी ओवरसीज
(कॉटन एक्सपोर्टर राजकोट, गुजरात)

उन्होंने बताया कि भारतीय कॉटन मार्केट में कपास के भाव तेजी से कम हुए है बावजूद इसके अभी भी अंतराष्ट्रीय कॉटन बाजार की तुलना में हमारे कपास भाव 13 से 15 प्रतिशत तक ज्यादा है। यही वजह है कि पिछले 8-10 महीनों से कॉटन और यार्न एक्सपोर्ट का कारोबार धीमा हो गया है। सामान्यतः बांग्लादेश, वियतनाम और ताईवान जैसे देशों में गुजरात के शंकर-6 की अच्छी डिमांड हुआ करती थी। लेकिन इस साल कीमतों में अंतर होने के चलते यह देश ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन कॉटन की ओर शिफ्ट हुए है। हालांकि इंटरनेशल मार्केट में बने रहने के लिए कई भारतीय कंपनियां नुकसान में भी एक्सपोर्ट कर रही है किंतु लंबे समय तक यह नहीं किया जा सकता।

पिछले 1 साल में रशिया-यूक्रेन युद्ध की वजह से कॉटन मार्केट में बहुत उतार-चढ़ाव देखने को मिले है। यह सही है कि भारतीय कॉटन मार्केट का रशिया या यूक्रेन से कोई सीधा एक्सपोर्ट या इम्पोर्ट का नाता नहीं है। लेकिन अमेरिका का इन दोनों ही देशों से सीधा नाता है और अमेरिका कॉटन वायदे पर इसका असर भी हुआ है। चूंकि पूरे विश्व का कॉटन व्यापार अमेरिका कॉटन वायदे से संबंधित है इसलिए इसका असर वैश्विक कॉटन व्यापार विशेषकर एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट पर भी हुआ है।

गुजरात की वर्तमान स्थिति

- सीजन के 6 महीने बीत चुके है, लेकिन किसान अब भी बेहतर कीमत मिलने की चाह में कपास को रोके हुए है।
- गुजरात अब वेल्यू एड बिजनेस पर काम कर रहा है, इससे मार्जिन भी अच्छा मिल रहा है।
- यहां कई मिल्स है जो बड़े-बड़े ब्रांड्स के लिए जॉब वर्क कर रही है। ऐसी यूनिट लगाने पर फोकस किया जा रहा है जहां सिर्फ जिनिंग या स्पिनिंग नहीं बल्कि विविंग और डायिंग के काम भी एक जगह ही हो जाएं ताकि वेल्यू एड प्रोडक्ट बनाया जा सकें।
- यहां प्रति दिन 45-55 हजार बेल्स की आवक होती है जबकि मिल्स को इससे 10-15 प्रतिशत ज्यादा की जरूरत है।

GUJARAT में हर साल बढ़ रही कॉटन की खपत

इस सीजन गुजरात में कॉटन की सोइंग पिछले साल की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत तक ज्यादा की गई थी। आउटटर्न भी सोइंग के मुताबिक बढकर ही प्राप्त हुआ। इस बार आउटटर्न पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत तक बढ़ा है। प्रोडक्शन अच्छा होने के साथ ही गुजरात में कॉटन का कंजप्शन भी तेज होता जा रहा है। साल-दर-साल यहां नई स्पिनिंग मिल्स लगाई जा रही है जिससे कॉटन खपत में तेजी आई है। वर्तमान में गुजरात लगभग 50-60 लाख कॉटन बेल्स की खपत गुजरात में हो रही है। जो कि कुल प्रोडक्शन का आधे से भी ज्यादा हिस्सा है। यह कहना है अहमदाबार के जाने-माने कॉटन ट्रेडर और ब्रोकर चिराग पटवा का।

वे बताते है कि इस बार पंजाब और हरियाणा की फसल खराब हो जाने की वजह से दोनों ही राज्यों से गुजरात में डिमांड बढ़ी है। हमारा ट्रेडिंग और ब्रोकरेज और मर्चेंट एक्सपोर्ट का कारोबार है। पिछले कई सालों से हमारा परिवार इससे जुड़ा है। इतने समय में मैंने यही सीखा और समझा है कि यदि सही गणित के साथ सोच-समझकर कारोबार किया जाए तो उसका नतीजा अच्छा ही होता है। वर्तमान में हम राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र की कई मिल्स के साथ कारोबार कर रहे है।

चिराग पटवा
चिराग कॉटन कंपनी
(कॉटन ट्रेडर और ब्रोकर , अहमदाबाद)

लंबा हो गया कॉटन सीजन

उन्होंने कहा कि यह सही है कि कॉटन बिजनेस का सिनेरियो बदला है। यह साल थोड़ी कठिनाई वाला रहा है। आवक धीमी होने की वजह से इस बार सीजन लंबा हो गया है। पहले जहां कॉटन व्यापारी **6-8** महीने का सीजन मानकर व्यापार करते थे वहीं इस बार सीजन **8-10** महीने लंबा हो गया है। इसलिए यह कहना गलत होगा कि कारोबार नहीं हुआ है बल्कि यह कहना चाहिए

अंतराष्ट्रीय बाजार से प्रतिस्पर्धा मुश्किल

भारत के दूसरे राज्यों की अपेक्षा गुजरात में कॉटन व्यापार की स्थिति थोड़ी बेहतर है। क्योंकि यहां घरेलू उत्पाद की खपत क्षमता बढ़ी है। लेकिन अंतराष्ट्रीय दृष्टिकोण से देखे तो पूरे देश के लिए ही स्थिति विकट रही है। दरअसल, अभी भी भारतीय कॉटन और यार्न के भाव अंतराष्ट्रीय बाजार भाव से ज्यादा है। ऐसे में उनसे प्रतिस्पर्धा कर पाना हमारे लिए मुश्किल ही है।

जिनर्स के लिए मुश्किलभरा साल

मिलर्स के लिए यह साल मिला-जुला रहा है और पूरी उम्मीद है कि अप्रैल के बाद उनकी स्थिति और भी बेहतर हो जाएगी। लेकिन जिनर्स के लिए यह साल काफी मुश्किलभरा रहा है। कपास आवक की जो गति उन्हें सीजन की शुरूआत में मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिली। और अब यदि मानसून में आवक जारी भी रहती है तो यह केवल उन जिनर्स के लिए फायदेमंद होगी जिनके पास मानसून में स्टॉक रखने और जिनिंग चलाने की क्षमता है। बाकि ज्यादातर जिनर्स के लिए यह साल मानसून के पहले ही खत्म हो जाएगा।

DENIM PRODUCTION और SALE में नंबर 1 है गुजरात

साल 2011 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। तब उन्होंने ही गुजरात की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बारिकी से समझकर उसे फार्म टू फैब्रिक का विजन दिया था। उसी समय से गुजरात इस विजन पर काम कर रहा है। गुजरात को सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारतीय नक्शे पर उसका प्लेसमेंट या यूं कह लीजिए उसकी लोकेशन बहुत सही है। समुद्री किनारे पर बसा होने की वजह से यहां से एक्सपोर्ट करना आसान है। पहले यहां से केवल रॉ कॉटन और यार्न का एक्सपोर्ट किया जाता था। लेकिन इस विजन के बाद से वेल्यू एडेड प्रोडक्ट यानी गारमेंट खासकर डेनिम का एक्सपोर्ट किया जाने लगा। वर्तमान में गुजरात में डेनिम के 15-20 बड़े प्लांट है और यह देश का डेनिम का सबसे बड़ा विक्रेता भी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि डेनिम प्रोडक्शन और सेलिंग में गुजरात नंबर 1 पर है।

गुजरात की सफलता बयां करती यह बात कही अहमदाबाद स्थित आर एस बी कॉटेक्स लिमिटेड के सीईओ नरेश राठी ने। वे पिछले 20 सालों से कॉटन ट्रेडिंग के कारोबार से जुड़े हुए है। वर्तमान में अपने भतीजे प्रणव राठी के साथ वे कॉटन और यार्न एक्सपोर्ट बिजनेस में भी कार्यरत है।

अपने भतीजे प्रणव राठी के साथ नरेंद्र राठी

कॉस्ट कटिंग के लिए वाइंड मिल

उन्होंने बताया कि गुजरात हमेशा से ही भविष्य की योजनाओं पर काम करता आया है। पिछले कुछ सालों में यहां तेजी से स्पिनिंग मिल्स लगाई गई हैं। मिल को चलाने में एक मुख्य लागत बिजली खपत की होती है। गुजरात में मिल्स को 8.5 से 9 रूपए प्रति यूनिट सारे शुल्क मिलाकर बिजली मिलती है और 30 काउंट का 1 किलो यार्न बनाने में लगभग 3 यूनिट बिजली की खपत होती है। मोटे तौर पर देखे तो 1 किलो यार्न बनाने में 27 रूपए की बिजली खर्च होती है। गुजरात के स्पिनर्स यह समझ चुके है कि यदि मुनाफा कमाना है और लंबे समय तक टिके रहना है तो कॉस्ट कटिंग करना जरूरी है और इसके लिए पॉवर जनरेशन को बढ़ाना होगा, इसके दूसरे स्त्रोत तलाशने होंगे। इसी सोच के चलते यहां की मिल्स तेजी से वांइड मिल प्रोजेक्ट और सोलर पैनल लगा रही है। पिछले 3 सालों में यहां की 60 प्रतिशत से ज्यादा स्पिनिंग मिल्स ने वाइंड मिल प्रोजेक्ट को अपनाया है।

साउथ अब भी गुजरात से आगे

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में गुजरात को भारत का भविष्य कहकर पुकारा जा रहा है। हालांकि कुछ मामलों में गुजरात अभी भी साउथ की मिल्स से बहुत पीछे है। टेक्नोलॉजी के दृष्टिकोण से गुजरात की गति तेज है लेकिन निटेड यार्न बनाने में साउथ अब भी हमसे बहुत आगे है। तिरूपुर मंडी देश में निटेड यार्न की सबसे बड़ी मंडी है। साउथ के पास भी गुजरात की तरह नजदीकी पोर्ट सुविधा है और कॉटन प्रोडक्शन भी वहां अच्छी माला में होता है। इसके अलावा वहां के कॉटन की क्वालिटी भी हमसे बेहतर है और ग्लोबल लेवल पर वहां के यार्न की डिमांड भी ज्यादा है।

यह है स्थिति

गुजरात में औसतन सालाना 90 लाख से 1 करोड़ के बीच कॉटन बेल्स का प्रोडक्शन होता है। जिस तेजी से हमारी खपत बढ़ रही है उसे देखते हुए गुजरात को अपनी क्रॉप साइज बढ़ानी होगी। यदि आने वाले 5-10 सालों में कॉटन क्रॉप का साइज नहीं बढ़ा तो हमारे यहां से कॉटन और यार्न का एक्सपोर्ट पूरी तरह बंद हो जाएगा और एंड प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट बढ़ जाएगा।

नरेश राठी,
सीईओ, आर एस बी कॉटेक्स लिमिटेड,
कॉटन ट्रेडर और एक्सपोर्टर, अहमदाबाद

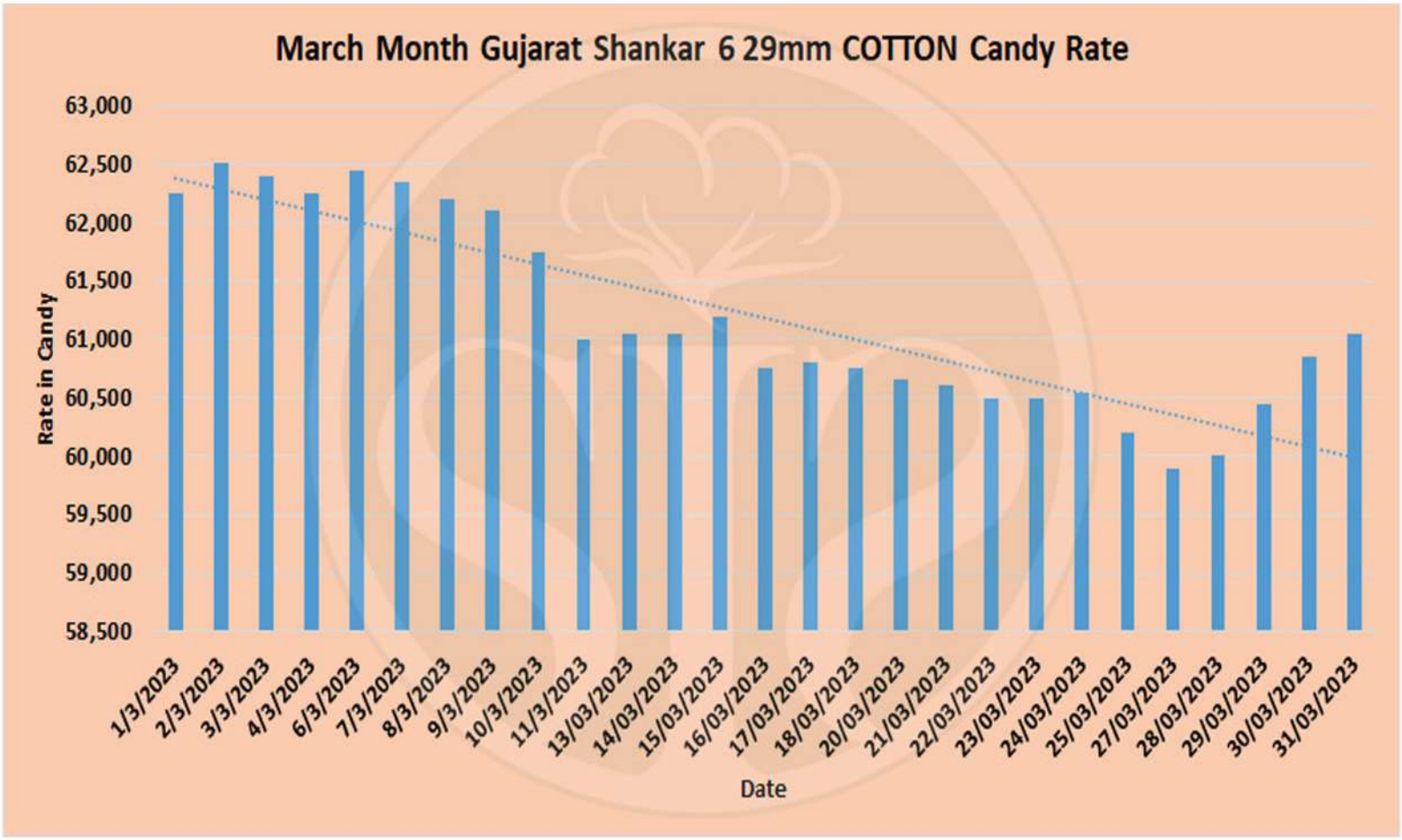
March Month Gujarat Shankar 6 29mm COTTON Candy Rate
Rate in Candy
63,000
62,500
62,000
61,500
61,000
60,500
60,000
59,500
59,000
58,500
1/3/2023
2/3/2023
3/3/2023
4/3/2023
6/3/2023
7/3/2023
8/3/2023
9/3/2023
10/3/2023
11/3/2023
13/03/2023
14/03/2023
15/03/2023
16/03/2023
17/03/2023
18/03/2023
20/03/2023
21/03/2023
22/03/2023
23/03/2023
24/03/2023
25/03/2023
27/03/2023
28/03/2023
29/03/2023
30/03/2023
31/03/2023
Date

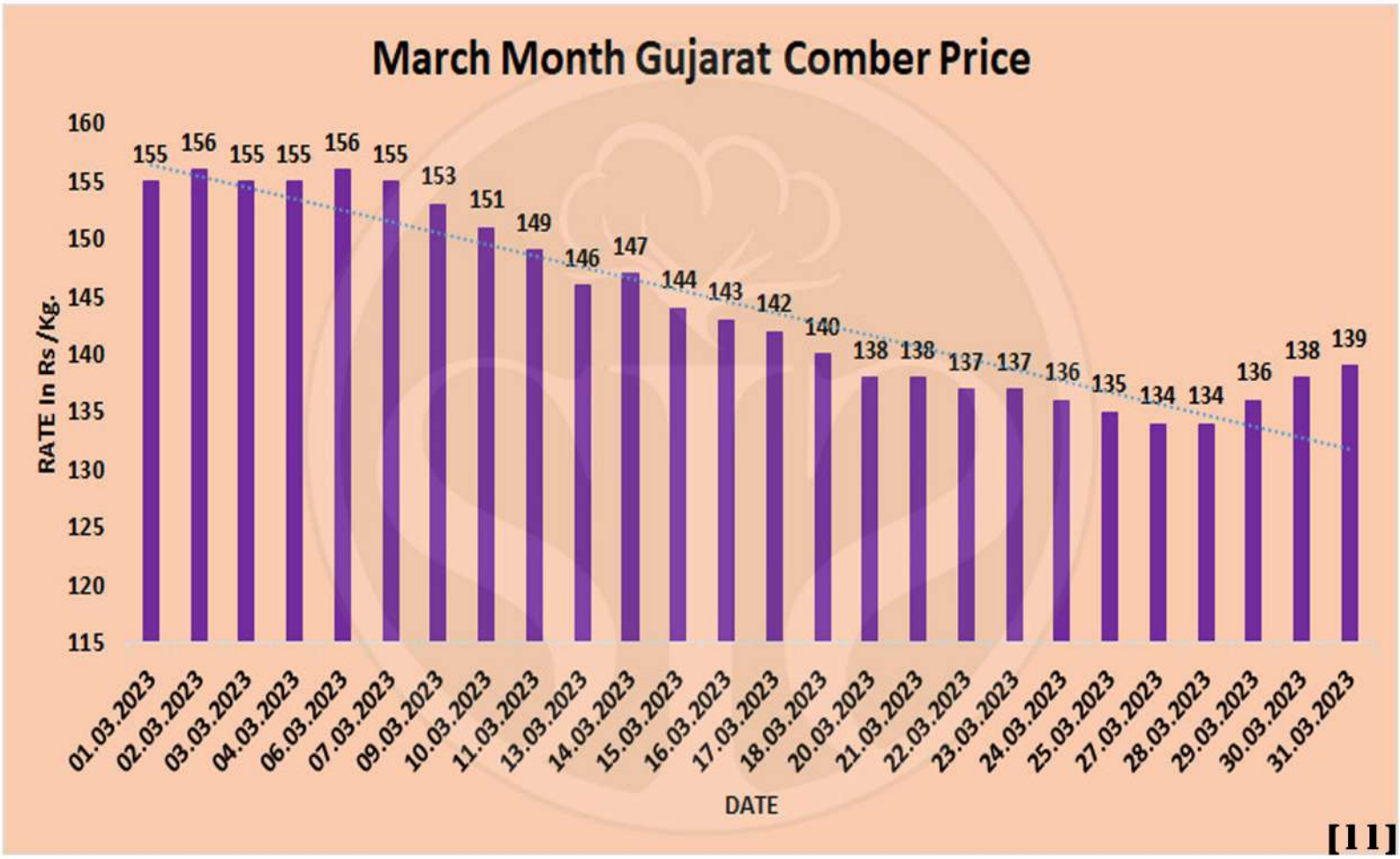
March Month Gujarat Comber Price
RATE In Rs /Kg.
160
155
150
145
140
135
130
125
120
115
155
156
155
155
156
155
153
151
149
146
147
144
143
142
140
138
138
137
137
136
135
134
134
136
138
139
01.03.2023
02.03.2023
03.03.2023
04.03.2023
06.03.2023
07.03.2023
09.03.2023
10.03.2023
11.03.2023
13.03.2023
14.03.2023
15.03.2023
16.03.2023
17.03.2023
18.03.2023
20.03.2023
21.03.2023
22.03.2023
23.03.2023
24.03.2023
25.03.2023
27.03.2023
28.03.2023
29.03.2023
30.03.2023
31.03.2023
DATE

ADVERTISEMENT

Sk.Amjat (Managing Director)
+91 88885 85788
+91 9404467088
skskamjat@gmail.com
GST No. 27DCHPS5982M1ZL

The Name Of Trust

Maharashtra INDUSTRIES

Ginning & Pressing Automation Systems

Hot Box,Automatic R.C. Feeding System (Trolley) One by One
Lint Suction System, Super Cleaner,R.C. & Press Belt System,
Seed Screw Conveyor Ginning Pressing All Solution.

Navsari Square, Walgaon Road, Amravati. 444601 (M.S.)

GET IMPORT AND EXPORT DATA OF

CHAPTER - 52, 54 and 55

(COTTON, COTTON WASTE, YARN, POLYSTER, VISCOSE, DENIM AND OTHER TEXTILE GOODS)

For More Information Contact Us - +91 - 9111677775

NEWS HIGHLIGHTS (MARCH' 2023)

- एफटीपी 2023 एक गतिशील और ओपन एंडेड नीति है, यह उभरती जरूरतों को समायोजित करेगीरू श्री पीयूष गोयल।
- आयात शुल्क नहीं हटाया गया तो, जून के बाद मुश्किल होगा स्पिनिंग मिल चलानाः CAI प्रेसिडेंट।
- मार्च में भारतीय कपास की आवक तीन साल के उच्चतम स्तर पर।
- पंजाब में कपास का बुरा हाल, पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत कम रही फसल की बिक्री।
- पंजाब में कपास के नकली बीजों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग ने बनाई टीमें।
- कीमतों में गिरावट के कारण आदिलाबाद कपास किसान पीड़ित, सरकारी सहायता की अपील।
- कपड़ा मशीनरी के आयात पर सीमा शुल्क में रियायत की अवधि बढ़ाई।
- पीपीपी मॉडल के तहत तमिलनाडु के कपास निगम की स्थापना के पक्ष में मंत्री।
- पाकिस्तान की कृषि रिपोर्ट 2023 के अनुसार स्थिर कपास उत्पादन के पीछे अच्छे बीजों की कमी।
- कताई और बुनाई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नई टेक्सटाइल फैक्ट्री लगाने की तैयारी में इजिप्ट।
- चीन ने गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अपने कपास उत्पादन मानकों का किया खुलासा।
- भारत और मलेशिया ने की भारतीय रुपये में व्यापार की घोषणा।

GCCI
TEXTILE LEADERSHIP 2
CONCLAVE 2023

GCCI cordially invites you to
be a part of the
TEXTILE LEADERSHIP CONCLAVE 2023
as Textile Titans share their
success journey

8 APRIL 2023 | SATURDAY | CLUB 07 AHMEDABAD

TIME: **2:00 PM** Onwards
VENUE: The Capitol, The Forum, Gate No.6, Club 07, Shela, Ahmedabad

CLICK HERE FOR VENUE!

GCCI TEXTILE TASKFORCE MEMBERS

UPCOMING TRADE FAIR

National

YARN INDIAN EXPO 2023

ADD - RANBANKA RESORT BHILWARA INDIA .
DATE - FRI, APRIL 20TH,2023
(YARN)

THE 3RD CMAL FAB SHOW 2023

ADD - BOMBAY EXHIBITION CENTER,NSE COMPLEX, GOREGAON (EAST) MUMBAI
DATE - 26TH APR,2023 TO 28TH APR,2023
(MACHINERY)

TEXTILE OPERATIONS AND BUSINESS EXCELLENCE SUMMIT 2023

ADD - HOLIDAY INN MUMBAI INTERNATIONAL AIRPORT, INDIA
DATE - 15TH APR, 2023 TO 26TH APR, 2023
(FABRICS)

International

SYNTHETIC YARN AND FIBER ASSOCIATION CONFERECE 2023

ADD - CHARLOTTE, UNITED STATES OF AMERICA
DATE - 20TH APR, 2023 TO 21ST APR,2023
(YARN)

SHENZHEN INTERNATIONAL EXHIBITION FOR CLOTHING SUPPLY CHAIN (FASHION SOURCE)2023

ADD - SHENZHEN WORLD EXHIBITION & CONVENTION CENTER, SHENZHEN , CHINA
DATE - 26TH APR, 2023 TO 28TH APR,2023
(YARN)

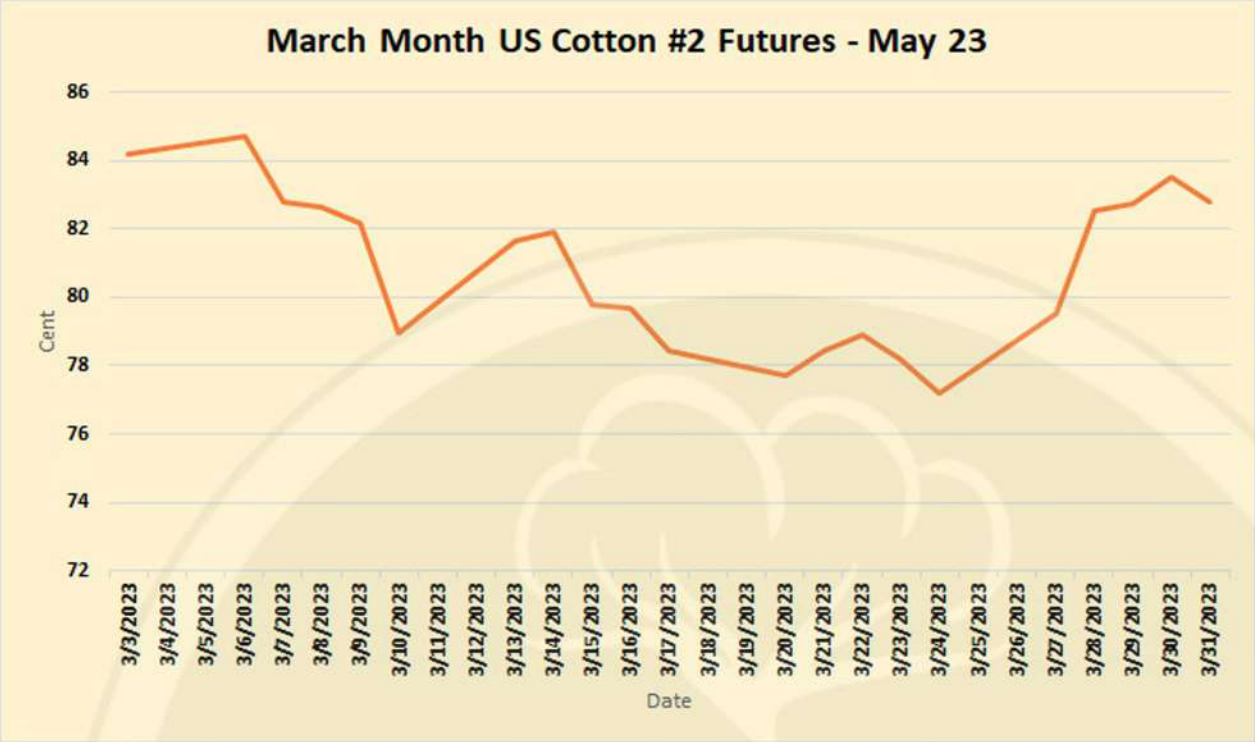

यूएस कॉटन के वायदा बाजार यानी इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के मंच पर भी मार्च माह में अप-डाउन की स्थिति बनी रही। माह की शुरूआत में कीमत **84** सेंट से ज्यादा थी जो **24** मार्च को घटकर अपने निम्नतम स्तर **77** सेंट पर पहुंच गई।

फाइनेंशियल इयर **2022-23** के आखिरी माह मार्च में भारतीय रूपये के मुकाबले डॉलर की कीमत में उतार-चढ़ाव की स्थिति रही। माह में सबसे कम कीमत **81.65** रही जबकि डॉलर ने उच्चतम **82.85** रूपए के स्तर को छुआ।

STATISTICS

MEET OUR TEAM

RAKSHA BHAGAT JAIN

[MANAGING EDITOR AND MEDIA HEAD]

Raksha Bhagat Jain posseses more than 10 years of experience in Journalism. As a journalist, she has led diversified projects for companies in terms of interviews and articles of the renowned dignitaries of the fraternity and provide fair and unbiased news and information on varied platforms.

THE EDITOR OF COT COSMOS

SHLESHA LAHOTI

[GRAPHIC DESIGNER & CREATIVE HEAD]

Shlesha Lahoti, Graphic Designer by proffesion, serves as a Creative Head of the company. She has been delivering all the creative assignments that has been doing commendable work in terms of creativity and innovation.

THE DESIGNER OF COT COSMOS

DHEERAJ GUPTA

[(HOD) Head of Department - SEED / KHAL]

Dheeraj Gupta is Very energetic and prompt in task completion and timely delivery. Mr. Dheeraj Gupta is head of seed/khal department. He has got a thorough knowledge of the commodity and always attempts to deliver the same appropriately to his clients.

THE DATA ANALYST OF COT COSMOS

SIS CONNECT

For daily Market updates and
all your textiles related issues
DOWNLOAD our app now!!

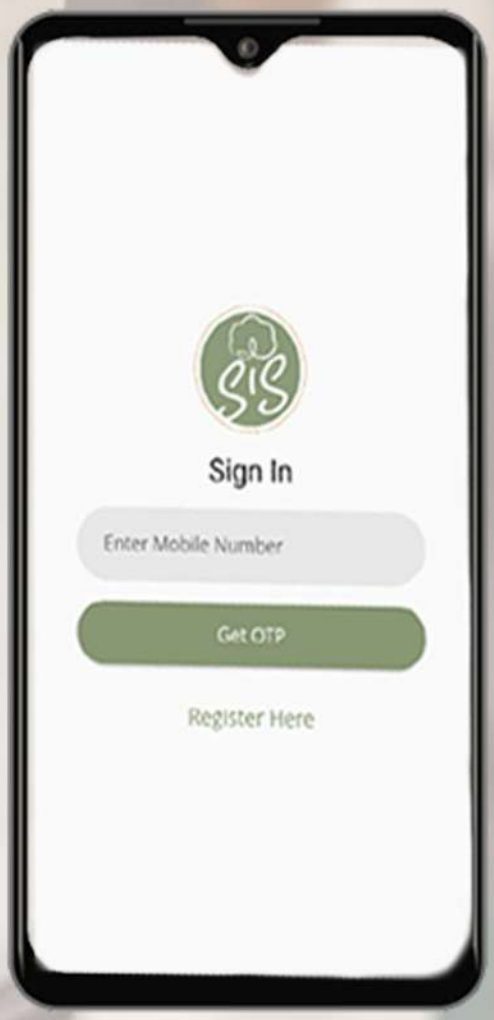

INSTALL NOW

(Register now for free trial)

FOLLOW US ON :

RAKSHA BHAGAT JAIN (EDITOR) / CONTACT - +91 - 74150 28064